सीबीएसई परीक्षा परिणाम

देहरादून के स्कूलों का जलवा कायम

न्याय के नए युग की शुरुआत

प्रकाशन का गौरवशाली 14वाँ वर्ष

दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

वर्ष 14 | अंक 52 | मूल्य 15 रुपये | 18-24 मई, 2025

सीज फायर कराकर ट्रंप बने 'चौधरी'

भारत में ट्रंप के खिलाफ उबाल

उत्तराखण्ड शासन
देवभूमि उत्तराखण्ड
श्री यमुनोत्री
30 अप्रैल, 2025
श्री गंगोत्री
30 अप्रैल, 2025
श्री केदारनाथ
2 मई, 2025
श्री बदरीनाथ
4 मई, 2025
श्री हेमकुंट साहिब
25 मई, 2025
हरित
चारधाम यात्रा
आप सभी का
हार्दिक स्वागत एवं
अभिनंदन

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

सुगम एवं सुरक्षित चारधाम यात्रा

चारधाम मार्ग के समीप आध्यात्मिक और प्राकृतिक रत्न

यमुनोत्री के पास: जानकी चट्टी, हनुमान चट्टी, खरसाली गांव, सप्तऋषि कुंड, पांडव गुफा, लाखा मण्डल, केदारकांठा ट्रैक, राणा चट्टी

गंगोत्री के पास: गौमुख ट्रैक, भोजबासा, तपोवन, सूर्यकुंड व गौरीकुंड, हर्षिल वैली, मुखीमठ (मुखबा), दयारा बुग्याल ट्रैक, गरतांग गली, काशी विश्वनाथ मन्दिर, नचिकेताताल, डोडीताल

केदारनाथ के पास: भैरवनाथ मन्दिर, वासुकीताल, गौरीकुंड, त्रियुगीनारायण मन्दिर, चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला, गुप्तकाशी, देवरियाताल

बदरीनाथ के पास: माणा गांव, व्यास गुफा और गणेश गुफा, भीमशिला, औली, फूलों की घाटी, वसुधारा जलप्रपात, चरणपादुका, तप्तकुंड, नारदकुंड, ज्योतिर्मठ (जोशीमठ), सतोपंथ झील, पाण्डुकेश्वर, आदिबदरी मन्दिर, हेमकुंट साहिब

यात्रा के लिए जरूरी सामान

रेनकोट	सनग्लासेस	पानी की बोतल
मास्क	ग्लूकोस बिस्कुट	लाठी
कोल्ड क्रीम	टार्च	मंकी कैप
मफलर	कैनवास जूते	कैश
मोज़े	सैनिटाइज़र	स्वेटर
छाता	पहचान पत्र	दस्ताने

पंजीकरण के लिए

registrationandtouristcare.uk.gov.in

Toll Free number 0135 1364

Download the App:
touristcareuttarakhand

Google play | App Store

हेलीकॉप्टर/अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं

www.heliyatra.irctc.co.in

आईआरसीटीसी हेल्पलाइन नं 1800110139
080-44647998/080-35734998

उत्तराखण्ड पर्यटन टोल फ्री नंबर:
1364/0135 3520100

महत्वपूर्ण सूचना

- यात्रा से पूर्व पंजीकरण अवश्य करायें।
- रजिस्ट्रेशन में सही मोबाईल नम्बर दर्ज करें।
- धामों पर "दर्शन टोकन" अवश्य प्राप्त करें।
- यात्रा मार्ग पर विभिन्न पड़ावों पर विश्राम करते हुए प्रस्थान करें।
- यात्रा मार्गों पर गंदगी न फैलायें एवं मार्ग को स्वच्छ रखने में सहयोग करें।
- कृपया वाहनों की गति नियंत्रित रखें एवं वाहनों को निर्धारित स्थलों पर ही पार्क करें।
- greencard.uk.gov.in पर अपने वाहन का रजिस्ट्रेशन करवाएं।
- यात्रा के दौरान सिंगल यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग न करें।

स्वास्थ्य का रखें खास ख्याल

- यात्रा आरंभ करने से पहले निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में अपनी जांच अवश्य करायें।
- जिन्हें हृदय संबंधी दिक्कतें तथा हाइपरटेंशन है, वे अतिरिक्त सावधान रहें।
- रास्ते में कहीं भी लगे कि आपकी तबीयत ठीक नहीं है तो आगे यात्रा न करें और नजदीकी चिकित्सा केंद्र से संपर्क करें।
- जरुरी दवाइयां, फर्स्ट ऐड किट एवं मेडिकल हिस्ट्री सम्बन्धी रिपोर्ट साथ लेकर चलें।

आपकी यात्रा मंगलमय हो

त्रियुगी नारायण मन्दिर | गरतांग गली | फूलों की घाटी | हर्षिल वैली | देवप्रयाग | ऋषिकेश | औली

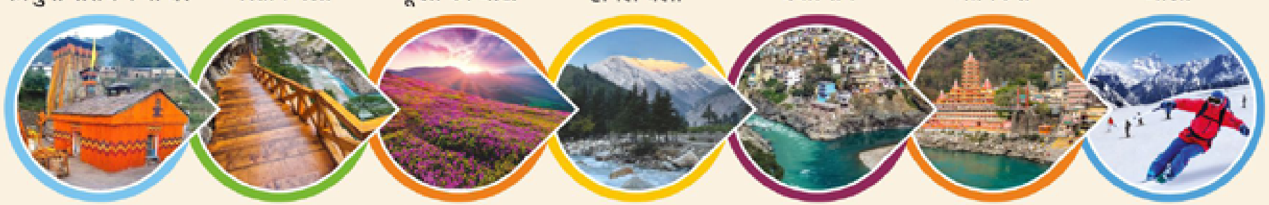

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | uttarakhandDIPR | DIPR_UK | uttarakhand DIPR

#ExploreUttarakhand @DIPR_UK

Doon International School

A Co-Educational, Day cum Boarding School

Affiliated to CBSE, New Delhi

100 % RESULTS

CREATING NEW BENCHMARKS YEAR AFTER YEAR

Congratulations To Parents, Teachers And Students For Yet Another Outstanding Board Result

CLASS XII-90% AND ABOVE - 40 & 85% AND ABOVE-101 STUDENTS

1

ANUVANSHI GUPTA 98.2% | GAURI ADITYAKRITI 97.6% | ISHITA SHARMA 96.8% | HIMANSHI FULORIA 96.8% | TAKSH MITTAL 96.4% | ASTHA SUYAL 96.2% | ANANYA AGRAWAL 95.6% | SHREYA DHULIYA 95.4% | TANVI BAHUGUNA 95% | MANYATA MITTAL 95% | LAKSHYA GOYAL 94.8%

SATVIK GAUR 94.8% | VAIBHAV NEGI 94.6% | NITIKA PANERU 94.4% | ADITYA BHARDWAJ 94.2% | RITI CHAWLA 94.2% | SWADHA SHARMA 94.2% | NISHI SRIVASTAVA 93.8% | SIDDHARTH SINGH 93.8% | NAINA UNIYAL 93.6% | SIDDHANT SOLANKI 93.2% | YASH JAIN 93.2%

VARSHA RANA 92.8% | AGRIMA THAPLIYAL 92.6% | ADITI SHARMA 92.2% | ARNAV CHAMOLI 92.2% | YASH PANWAR 92% | KUSHAGRA KAUSHIK 91.8% | DEVESH DANGWAL 91.8% | ANUPRIYA 91.6% | ABHINAV NAINWAL 91.6% | ARYAMAN BHATNAGAR 91.6% | VIDIT SINGHAL 91.6%

SHAURYA KAUSHIK 91.2% | SHAURYA NAUTIYAL 91.2% | GARGI MAMGAIN 91% | ANSH TOMAR 90.6% | AMRITA ANJHRA 90.6% | ARYAN BIST 90.4% | PARIDHI JAIN 90.2%

TOPPERS CLASS XII & X 2024-2025

IN CLASS X-90% AND ABOVE-125 & 85% AND ABOVE-168 STUDENTS

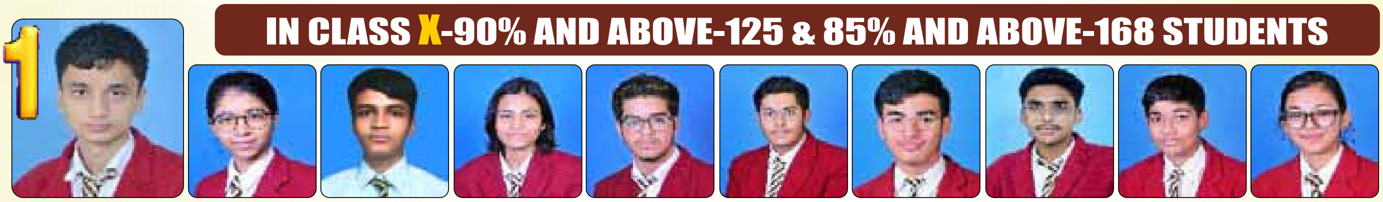

1

SHREEJAY NEGI 98.8 % | SHRIVALI GUPTA 98.6% | BHANU PRAKASH 98.4% | ANUSHKA BISHT 98% | LAKSHIT DEORARI 98% | ADITYA V. PRANDEY 98% | AAROOSH GABRIYAL 97.8% | NIVAAN SINGH 97.8% | ADITYA VERMA 97.6% | ANVESHA SRIVASTAVA 97.4%

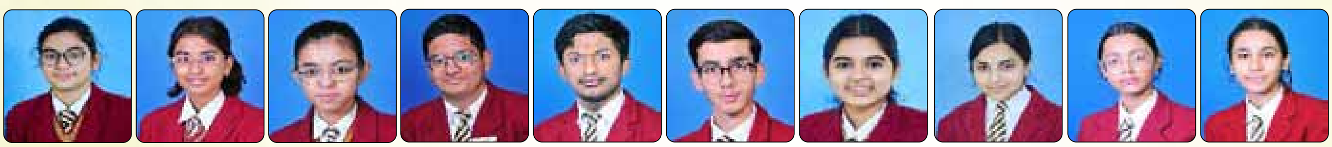

SHIVANSHI PUROHIT 97.4% | NAVYA GUPTA 97.2% | VAISHNAVI MAMGAIN 97.2% | ATULYA KUKRETI 97% | VEDANT SINGHAL 97% | UTKRISHT JUGRAN 96.8% | AANYA DHALL 96.8% | PRIYA KUMARI 96.8% | GARGI GODIYAL 96.6% | NIDHI RANA 96.6%

AAYUSH KARNATAK 96.6% | ANIMESH BISHT 96.6% | AYUSHI 96.4% | NEEHARIKA SHARMA 96.4% | UDISHA RAWAT 96.4% | SAMBHAV SINGHAL 96.4% | KAVISHA NEGI 96.2% | SAMAR PHUTELA 96.2% | ADITYA JAISWAL 96.2% | PRAKHAR KISHOR 96 %

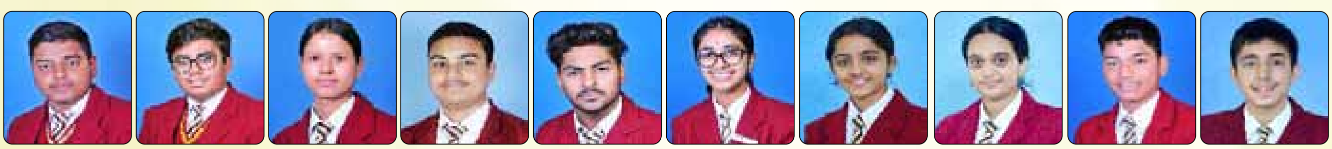

SWAYAM PAL 95.8% | VIVAAN SARIN 95.8% | DEEPALI SHAH 95.6% | KSHITIJ DAKSH 95.6% | ANURAG PUROHIT 95.4% | NAVYA JAISWAL 95.4% | SHREYA SHARMA 95.4% | SONAL NEGI 95.2% | AKSHIT SINGH 95% | ASHWIN BIJALWAN 95%

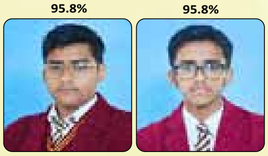

SAMEEKSH BARTHWAL 95% | KUSHAGARA YADAV 95%

'PARI MAHAL'32-Curzon Road, Dehradun-248001 (U.K.)

Phones: 0135-2656088, 2658491

Web: www.dooninternational.com,

E-mail: dis.parimahal7@gmail.com, contact@disdehradun.com

Congratulations

वर्ष 14 | अंक 52

दिव्य हिमगिरि

18-24 मई, 2025

संपादक
कुँवर राज अस्थाना

वरिष्ठ संवाददाता
शंभूनाथ गौतम

ब्यूरो प्रमुख
मोनिका डबराल

विज्ञापन
पूनम आर्या

ग्राफिक डिजायनर
देव भट्ट

संवाददाता
हरिद्वार : डॉ. रजनीश गौतम
पौडी : रत्नमणि भट्ट
कोटद्वार : के.पी. बौंठियाल
रूद्रपुर : हेमचन्द्र बुडलाकोटी
चमोली : मुकेश रावत
रुड़की : श्रीगोपाल नारसन
नैनीताल : शीतल तिवारी
अल्मोड़ा : संजय कुमार अग्रवाल (एड.)
विकासनगर : अजय शर्मा
प्रसार : रमेश सिंह रावत

संपादकीय कार्यालय : 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)
मोबाइल : +91 8433456398, 9410353164
Email: divyahimgiriddn@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक कुँवर बहादुर अस्थाना द्वारा सरस्वती प्रेस, 2, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित तथा 39/7 ई, ई. सी. रोड, (निकट मार्शल स्कूल सीनियर विंग) देहरादून-248001 उत्तराखण्ड से प्रकाशित। संपादक: कुँवर बहादुर अस्थाना*

*(पीआरबी एक्ट के तहत प्रकाशित सामग्री के लिए उत्तरदायी)

आशा का संदेश

पीएम नरेंद्र मोदी का संबोधन देश के नाम था, लेकिन इसने संदेश पूरी दुनिया को दिया। भारत ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बावजूद उसने पाकिस्तान की समझौते की गुहार मान ली, क्योंकि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन यह युग आतंकवाद का भी नहीं है। एक बड़े मकसद और व्यापक हित में भारत ने शांति की राह चुनी। पहले से ही युद्धों में उलझे विश्व के लिए हिंदुस्तान का कदम आशा की बहुत बड़ी किरण है। पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान भारत ने अद्भुत संयम का परिचय दिया। लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ थी और भारतीय सेनाओं ने उसे ही लक्ष्य किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन से साफ कर दिया कि आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। शांति का एकमात्र रास्ता यही है कि पाकिस्तान को अपने टेरर इंफ्रा का सफाया करना होगा। पड़ोसी देश से अब बात होगी तो आतंकवाद और पीओके पर। पीएम नरेंद्र मोदी ने विकसित और शक्तिशाली भारत की बात की है। देश के सामने सबसे बड़ा लक्ष्य यही है। 2047 तक विकसित मुल्क बनने के लिए पूरी जी-जान लगाकर दौड़ना होगा। क्षेत्रीय अस्थिरता इसमें बड़ी बाधा है, और भारत ने फिलहाल इसका इलाज कर दिया है। पाकिस्तान तक सख्त संदेश पहुंच चुका है। इस टकराव के आगे न बढ़ने और भारत के फिर से अपने लक्ष्य की ओर चलने से ग्लोबल जियो पॉलिटिक्स में नई आशा जगी है। इसी तरह की एक और आशा है अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वॉर का टल जाना, भले ही अभी केवल 90 दिनों के लिए ही। डॉनल्ड ट्रंप की रेसिप्रोकल टैरिफ पॉलिसी के चलते दोनों देश एक नए ट्रेड वॉर की तरफ बढ़ चले थे। इससे पूरी ग्लोबल इकॉनमी तनाव में थी, भारत भी। अब जब बात हुई है, तो आशा है कि आगे कोई बेहतर हल भी निकल आएगा। एक और सकारात्मक खबर यह भी रही कि तीन साल से ज्यादा समय से युद्ध में उलझे रूस और यूक्रेन में सुलह हो सकती है। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही इसे लेकर उम्मीदें जग गई थीं और अब गुरुवार को तुर्किये में दोनों देशों के बीच पहली बार सीधी बातचीत होने जा रही है। यूक्रेन युद्ध, टैरिफ वॉर और भारत-पाक तनाव ने दुनिया को गंभीर संकट में डाल दिया था। तीनों मोर्चों पर आई सकारात्मक खबरों का असर रहा कि सोमवार को भारत का निफ्टी इंडेक्स 3.5% से ज्यादा बढ़ा है। ताजा घटनाक्रमों से जब अमेरिका और चीन की अर्थव्यवस्था सुधरेगी, तो बड़े देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकॉनमी यानी भारत पर भी पॉजिटिव असर जरूर होगा।

कुँवर राज अस्थाना

सीज फायर कराकर ट्रंप बने 'चौधरी'

भारत में ट्रंप के खिलाफ उबाल

शंभू नाथ गौतम
वरिष्ठ पत्रकार

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक (मिसाइल अटैक) कर आतंकियों के अड्डे को नष्ट कर डाला। भारत की इस कार्रवाई के बाद बौखलाया पाकिस्तान ने युद्ध की चेतावनी दे डाली। इसके बाद दोनों ओर से ड्रोन से ताबड़तोड़ अटैक शुरू हो गए। 7 से लेकर 10 मई तक दोनों देश युद्ध के मुहाने पर आकर खड़े हो गए। दोनों ओर से सीमा पर हमले और जवाबी कार्रवाई एहसास करा रही थी कि अब एक बड़ा युद्ध होकर रहेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सोशल मीडिया पर किए गए ट्वीट के बाद अचानक तस्वीर बदल जाती है। ट्रंप के ट्वीट के बाद युद्ध पर अमादा भारत-पाकिस्तान भी खामोश हो जाते हैं। दोनों देशों की सरकारों की ''युद्ध विराम'' पर सहमति आ जाती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ने कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाली परमाणु जंग रोक दी है। दोनों देशों के पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं, इससे एक भीषण परमाणु जंग छिड़ सकती थी। लाखों लोग मारे जा सकते थे। ट्रंप ने कहा- मैंने दोनों से कहा कि चलिए इसे रोकते हैं। अगर आप इसे रोकते हैं, तो हम व्यापार कर रहे हैं। अगर आप इसे नहीं रोकेंगे तो हम कोई व्यापार नहीं करेंगे। ट्रंप ने कहा कि भारत-पाकिस्तान जंग को रोकना उनकी सबसे बड़ी सफलताओं में से एक है। अभी तक दुनिया में दो देशों के बीच ऐसी पहली लड़ाई थी जो इतनी जल्दी खत्म हो गई। देशवासी समझ नहीं पाए कि दोनों देशों के बीच जंग जैसे हालात इतनी जल्दी कैसे सामान्य हो गए ?

इसी महीने 6-7 मई की रात पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक (मिसाइल अटैक) कर आतंकियों के अड्डे को नष्ट कर डाला। भारत की इस कार्रवाई के बाद बौखलाया पाकिस्तान ने युद्ध की चेतावनी दे डाली। इसके बाद दोनों ओर से ड्रोन से ताबड़तोड़ अटैक शुरू हो गए। 7 मई से लेकर 10 मई तक भारत और पाकिस्तान युद्ध के मुहाने पर आकर खड़े हो गए। दोनों ओर से सीमा पर हमले और जवाबी कार्रवाई एहसास करा रही थी कि अब एक बड़ा युद्ध होकर रहेगा। 10 मई दोपहर तक दोनों देशों के बीच जंग जैसे हालात बने हुए थे। शाम होते-होते अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सोशल मीडिया पर किए गए ट्वीट के बाद अचानक तस्वीर बदल जाती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के ट्वीट के बाद युद्ध पर अमादा भारत-पाकिस्तान भी खामोश हो जाते हैं। दोनों देशों की सरकारों की ''युद्ध विराम'' पर सहमति आ जाती है। अभी तक दुनिया में दो देशों के बीच ऐसी पहली लड़ाई थी जो इतनी जल्दी खत्म हो गई। देशवासी समझ नहीं पाए कि दोनों देशों के बीच जंग जैसे हालात इतनी जल्दी कैसे सामान्य हो गए ? वैसे इस बार 150 करोड़ भारतीय नागरिक और सेना पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए पूरे बुलंद इरादों से मैदान में उतरी थी। देशवासियों का कहना था कि भारत ने पाकिस्तान की घुसकर जमकर पिटाई तो की लेकिन कसर रह गई। इस जंग के मैदान में अमेरिका एक बार फिर हीरो बन गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर संदेश दिया कि दुनिया के हम ही चौधरी रहेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव इतना बढ़ गया था कि वे परमाणु जंग के बहुत करीब पहुंच गए थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत-पाकिस्तान जंग को रोकना उनकी सबसे बड़ी सफलताओं में से एक है। हालांकि उन्हें इसका क्रेडिट नहीं मिला। ट्रंप के दोनों देशों के बीच सीजफायर कराने पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ फूले नहीं समाए और अमेरिकी राष्ट्रपति की जमकर प्रशंसा की। वहीं भारत सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति का समर्थन तो किया लेकिन आपत्ति भी जताई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट में दोनों देशों को कॉमन सेंस और ग्रेट इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने के लिए बधाई दी और इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा- ''अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी रात की बातचीत के बाद, मुझे यह घोषण ा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। ट्रंप ने कहा कि यह युद्ध विनाश कारण बन सकता था और लाखों अच्छे और निर्दोष लोग मारे जा सकते थे। उन्होंने कहा, मैं भारत और पाकिस्तान के मजबूत और नेतृत्व पर गर्व करता हूं। उन्होंने समय रहते यह समझ लिया कि इस संघर्ष को रोकना आवश्यक था, जिससे लाखों निर्दोष जानें बचाई जा सकीं। यह निर्णय न केवल बहादुरी भरा है, बल्कि इन दोनों देशों की विरासत को और गौरवशाली बनाता है। ट्रंप ने कहा कि मुझे गर्व है कि अमेरिका आपको इस ऐतिहासिक और वीरतापूण र्ग निर्णय पर पहुंचने में मदद करने में सक्षम रहा। अपनी पोस्ट में ट्रंप ने यह भी कहा कि वह भारत और पाकिस्तान के साथ मिलकर कश्मीर मुद्दे का दीर्घकालिक समाधान तलाशने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, शायद 'हजार साल' बाद अब समय आ गया है कि हम इस ऐतिहासिक विवाद का समाधान खोजें। हालांकि ट्रंप यह भूल गए कि कश्मीर को लेकर भारत की स्पष्ट नीति रही है कि यह उसका आंतरिक मामला है। वहीं पीएम नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता का दावा करने वाले अमेरिका को भी समझा दिया है। पीएम मोदी ने कहा है कि अगर

पाकिस्तान की तरफ से कोई भी हमला किया जाता है तो इसका अंजाम ठीक नहीं होगा और पाकिस्तान को इसके परिणाम भुगतने होंगे। पीएम ने कहा है कि अगर पाकिस्तान की ओर से गोली चलती है, तो यहां से गोलों से हमले होंगे। उन्होंने पहलगाम हमले के बाद आतंकियों के खात्मे के लिए शुरू किए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर यह भी कहा है कि बीते कुछ दिनों में आतंकी ठिकानों पर हुए हवाई हमले निर्णायक साबित हुए हैं। यह भी स्पष्ट किया गया है कि कश्मीर के मुद्दे पर भारत किसी भी तीसरे देश की मध्यस्थता नहीं चाहता है और कश्मीर में भारत के लिए एक ही मुद्दा बचा है, और वह है पाक अधिकृत कश्मीर यानी पीओके की वापसी। बता दें कि रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अमेरिका कश्मीर के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थता करवा सकता है। अब भारत ने इस बयान पर अमेरिका को स्पष्ट कर दिया है कि भारत इस मसले को घसीटना नहीं चाहता और वह अपने तरीके से पाक को जवाब देने में सक्षम है। भारत, पाकिस्तान संघर्ष विराम के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरे दुनिया भर में अपने पावर की पीठ थपथपाने में लगे हुए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा- मेरे बिजनेस आइडिया से दोनों मान गए

भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई खत्म चुकी है। सीजफायर का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं ले रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर संदेश दिया कि दुनिया में हम ही सबसे शक्तिशाली हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ने कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाली परमाण ु जंग रोक दी है। दोनों देशों के पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं, इससे एक भीषण परमाणु जंग छिड़ सकती थी। लाखों लोग मारे जा सकते थे। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा- मैंने दोनों से कहा कि चलिए इसे रोकते हैं। अगर आप इसे रोकते हैं, तो हम व्यापार कर रहे हैं। अगर आप इसे नहीं रोकेंगे तो हम कोई व्यापार नहीं करेंगे। लोगों ने कभी भी बिजनेस का उस तरह से इस्तेमाल नहीं किया जैसा मैंने किया। उन्होंने दोनों देशों को जंग रोकने के बदले उनके साथ ट्रेड करने का प्रस्ताव रखा था। अब मैं बिजनेस का इस्तेमाल हिसाब चुकता करने और शांति स्थापित करने के लिए कर रहा हूं। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के बेटे ट्रंप जूनियर ने भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर का क्रेडिट पिता को दिया है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट लोग बातचीत की टेबल पर हैं और अमेरिका की वजह से दुनिया एक सुरक्षित जगह है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम दिए गए संदेश में एक बार फिर कड़े शब्दों में पाकिस्तान को चेतावनी दी। वहीं पाकिस्तान की ओर से भी प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर पलटवार किया गया। पीएम मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान की गुहार पर भारत ने संघर्ष रोकने की सहमति दी है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ मिलिट्री एक्शन को केवल स्थगित किया है। पाकिस्तान का रवैया देखकर आगे का एक्शन तय करेंगे। समाधान के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि पहलगाम में निर्दोष मासूमों को उनके परिवार के सामने, बच्चों के सामने बेरहमी से मार डालना आतंक का वीभत्स चेहरा था। हर आतंकवादी और आतंकी संगठन जान चुका है कि हमारी बहनों बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है। युद्ध के मैदान पर हमने हर बार पाकिस्तान को धूल चटाई है। कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा। दुनिया ने देखा कैसे पाकिस्तान के ड्रोन, मिसाइलें भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गईं। पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया। टेरर और टॉक एकसाथ नहीं हो सकते हैं, पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकता। पाकिस्तान से बात होगी तो टेररिज्म पर ही होगी, अगर बात होगी तो पीओके पर ही होगी। वहीं पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पीएम नरेंद्र मोदी के भाषण पर कहा कि वो बस अपनी इज्जत बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी का भाषण सुनने के बाद मुझे नहीं लगता कि उनकी बातों में कोई सार बचा है। वहीं पाकिस्तानी सांसद सीनेटर इरफान सिद्दीकी ने कहा कि मोदी ने इस बात को मान लिया है कि संघर्ष की शुरुआत पाकिस्तान ने नहीं की थी। उनके भाषण में कुछ भी भरोसेमंद नहीं था। पाकिस्तान ने भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने के बाद ड्रोन हमले शुरू किए थे जिसका भारत ने बखूबी जवाब दिया। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 22 अप्रैल को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया था। इस ऑपरेशन के दौरान 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए।

एमपी के मंत्री विजय शाह का कर्नल कर्नल कुरैशी पर आपत्तिजनक बयान

मध्य प्रदेश के मंत्री कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक बयान देकर घिर गए हैं। मंत्री के बयान से पार्टी हाईकमान भी सहमत नहीं है। इसके साथ विपक्ष ने भी भाजपा सरकार पर हमला बोला। भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा दिए गए बयान पर बवाल मच गया। उत्तराखंड समेत कई राज्यों में विपक्ष ने मध्य प्रदेश के मंत्री का सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और पुतला फूंका। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भाजपा के राज्य संगठन से मंत्री विजय शाह से जुड़े मामले की रिपोर्ट तलब की। समाजवादी पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बीजेपी मंत्री विजय शाह के एक विवादास्पद बयान पर हर नारी और सेना का अपमान बताया। अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-''मप्र बीजेपी के एक मंत्री जी का अति निंदनीय बयान केवल एक उच्च सैन्य महिला अधिकारी ही नहीं बल्कि देश की हर नारी और सेना का अपमान है। ये महानुभाव सदैव से भाजपाई और उनके संगी-साथियों की 'नारी विरोधी' सोच के मुखपत्र रहे हैं। कुछ वर्षों पहले इन्होंने ही देश की एक प्रतिष्ठित अभिनेत्री के कार्य में बाधा डाली थी। बीजेपी की 'नारी शक्ति वंदन अभियान' जैसी झूठी घोषणाओं का सच ऐसे लोगों के दुष्विचार खोल देते हैं। ऐसे लोग मंत्री तो क्या, किसी गली-मोहल्ले तक के भी जन प्रतिनिधि नहीं बनने चाहिए। सवाल ये है कि इन्हें बीजेपी वाले स्वयं हटाएंगे या इनके खिलाफ एकजुट नारी शक्ति और जनता। कर्नल सोफिया कुरैशी पर बीजेपी नेता और मंत्री विजय शाह की बयान को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र भी लिखा था। कांग्रेस नेता ने कहा था कि मप्र बीजेपी सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की वीरांगना कर्नल सोफिया कुरैशी को 'आतंकवादियों की बहन' कहकर किया गया घृणित और राष्ट्र-विरोधी बयान, न केवल एक गंभीर अपराध है। वहीं मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आपरेशन सिंदूर की नायिका सोफिया कुरैशी पर अनर्गल टिप्पणी के मामले में स्वत संज्ञान लेकर सुनवाई की। मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के विरुद्ध अविलंब विधि सम्मत कार्रवाई के निर्देश दिए। विजय शाह संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा से मिलने पहुंचे। प्रदेश बीजेपी दफ्तर में दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में मुलाकात हुई। हालांकि विजय शाह ने अपने विवादित बयान को लेकर माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मैं अपने बयान को लेकर माफी मांगता हूं। मैं 10 बार माफी मांगता हूं।

जस्टिस गवई बने देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश

न्याय के नए युग की शुरुआत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जस्टिस गवई को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ दिलाई। उन्होंने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का स्थान लिया, जो छह महीने के कार्यकाल के बाद मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए। न्यायमूर्ति गवई दलित समुदाय से भारत के दूसरे मुख्य न्यायाधीश बने हैं। उनसे पहले न्यायमूर्ति केजी बालकृष्णन 2007 से 2010 तक मुख्य न्यायाधीश रहे थे। जस्टिस गवई का कार्यकाल 23 नवंबर, 2025 तक चलेगा। जस्टिस गवई के पिता रामकृष्ण सूर्यभान गवई महाराष्ट्र के दिग्गज नेताओं में से एक थे। मनमोहन सिंह सरकार में वह बिहार, केरल और सिक्किम के राज्यपाल भी रहे हैं।

न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण (बीआर) गवई देश के नए मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं। बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जस्टिस गवई को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ दिलाई। उन्होंने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का स्थान लिया, जो छह महीने के कार्यकाल के बाद मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए। न्यायमूर्ति गवई दलित समुदाय से भारत के दूसरे मुख्य न्यायाधीश बने हैं। उनसे पहले न्यायमूर्ति केजी बालकृष्णन 2007 से 2010 तक मुख्य न्यायाधीश रहे थे। उनका कार्यकाल 23 नवंबर, 2025 तक चलेगा। देश के नए सीजेआई बीआर गवई का जन्म महाराष्ट्र के अमरावती में 24 नवंबर, 1960 को हुआ था। उसके बाद उन्होंने वहीं से अपनी पढ़ाई पूरी की और नागपुर विश्वविद्यालय से बीए एलएलबी की डिग्री हासिल की। सीजेआई बीआर गवई ने 1985 में अपने वकालत के करियर की शुरुआत की और 1987 से 1990 तक बॉम्बे हाईकोर्ट में स्वतंत्र तौर पर काम किया। उसके बाद 1992-93 तक वो बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ में सहायक सरकारी वकील के तौर पर काम किया। यहां वो जगह है जहां से उनके जस्टिस बनने की शुरूआत हुई। बीआर गवई उसके बाद 14 नवंबर 2003 को बॉम्बे हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया। 12 नवंबर, 2005 को वे स्थायी न्यायाधीश बने। मई 2019 में सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया। जस्टिस गवई का करियर काफी लंबा रहा है और इस दौरान उन्होंने अपने परिवार की राजनीति पृष्ठभूमि को कभी नहीं छिपाया। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म करने वाले आपराधिक मानहानी मामले में सुनाई गई सजा से जुड़ा था। जुलाई 2023 में राहुल गांधी के मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस गवई ने अपने परिवार का कांग्रेस से लगाव होने की वजह से मामले की सुनवाई से हटने का प्रस्ताव भी दिया था। उन्होंने कहा था, 'मेरे पिता कांग्रेस से जुड़े रहे हैं, हालांकि वह पार्टी के सदस्य नहीं थे लेकिन उसके साथ जुड़े थे।' मिस्टर सिंघवी (अभिषेक मनु सिंघवी) आप भी कांग्रेस से 40 सालों से जुड़े हैं और मेरा भाई अभी भी राजनीति में है और कांग्रेस से जुड़ा है। कृपया आप लोग बताएं कि क्या मुझे इस केस की सुनवाई करनी चाहिए। जस्टिस गवई के पिता रामकृष्ण सूर्यभान गवई महाराष्ट्र के दिग्गज नेताओं में से एक थे और वे 1964 से लेकर 1994 तक महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य रहे। उनके पिता विधान परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और विपक्ष के नेता के पद पर भी चुने गए थे। वे 1998 में अमरावती से 12वीं लोकसभा के लिए भी चुने गए थे।

इसके साथ ही अप्रैल 2000 से लेकर अप्रैल 2006 तक जस्टिस गवई के पिता महाराष्ट्र से राज्य सभा के लिए भी चुने गए थे। मनमोहन सिंह की सरकार ने जून 2006 में उन्हें बिहार का राज्यपाल बनाया था। बिहार के अलावा वे सिक्किम और केरल के भी राज्यपाल रहे। अंबेडकरवादी राजनीति करने वाले रामकृष्ण सूर्यभान गवई ने रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (गवई) की स्थापनी भी की थी।

चीफ जस्टिस बीआर गवई पिछले कई महत्वपूर्ण फैसलों का हिस्सा रहे

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार, पिछले छह वर्षों में जस्टिस गवई लगभग 700 बेंचों का हिस्सा रहे हैं, जिन्होंने संवैधानिक और प्रशासनिक कानून, सिविल और आपराधिक कानून, वाणिज्यिक विवाद, मध्यस्थता, बिजली कानून, शिक्षा और पर्यावरण संबंधी मुद्दों से जुड़े कई तरह के मामलों को संभाला है। उन्होंने लगभग 300 फैसले लिखे हैं, जिनमें संविधान पीठों के फैसले भी शामिल हैं, जो कानून के शासन को मजबूत करते हैं और नागरिकों के मौलिक, मानवीय और कानूनी अधिकारों की रक्षा करते हैं। जस्टिस बीआर गवई 2019 में सुप्रीम कोर्ट के जज बने थे। तब से उन्होंने लगभग 300 फैसले लिखे हैं और लगभग 700 बेंचों का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने संवैधानिक अधिकार, बोलने की आजादी, पर्यावरण संरक्षण और कार्यकारी अधिकारों पर नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम किया है। दिसंबर 2023 में, वह पांच जजों की उस बेंच में शामिल थे, जिसने सर्वसम्मति से केंद्र सरकार के आर्टिकल 370 को रद्द करने के फैसले को सही ठहराया था। यह आर्टिकल जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा देता था। जस्टिस गवई उस बेंच का भी हिस्सा थे, जिसने राजनीतिक फंडिंग के लिए चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट की 'असंवेदनशील' टिप्पणी पर लगाई थी रोक। नोटबंदी के केस में भी पांच जजों की बेंच में 4:1 के बहुमत से केंद्र सरकार के 2016 के 1,000 और 500 रुपये के नोटों को बंद करने के फैसले को सही ठहराया गया था। जस्टिस गवई उस बेंच में भी थे। जस्टिस गवई की अगुवाई वाली बेंच ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की उस टिप्पणी पर भी रोक लगा दी थी, जिसमें कहा गया था कि एक महिला का ब्रेस्ट पकड़ना और उसकी 'पायजामा' की डोरी खींचना बलात्कार का प्रयास नहीं है। बेंच ने इस टिप्पणी को 'असंवेदनशील' और 'अमानवीय' बताया था। अनुसूचित जातियों के भीतर उप-श्रेणियों पर भी सुनाया फैसला। जस्टिस गवई सात जजों की उस बेंच में भी शामिल थे, जिसने 6:1 के बहुमत से फैसला सुनाया कि राज्यों को आरक्षण के लिए अनुसूचित जातियों के भीतर उप-श्रेणियां बनाने का संवैधानिक अधिकार है। इससे इस वर्ग में भी सबसे पिछड़े लोगों को ध्यान में रखकर कल्याणकारी कदम उठाए जा सकेंगे। जनवरी 2023 में, वह पांच जजों की उस बेंच में भी शामिल थे जिसने फैसला सुनाया कि उच्च पद पर बैठे सरकारी अधिकारियों के बोलने की आजादी पर कोई अतिरिक्त प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि संविधान में पहले से ही उचित प्रतिबंधों के लिए पर्याप्त आधार मौजूद हैं। बुलडोजर न्याय पर निष्पक्षता पर जस्टिस गवई ने दिया जोर। जस्टिस गवई ने बिना नोटिस के विध्वंस पर रोक लगाने का भी एक महत्वपूर्ण फैसला दिया। उन्होंने निष्पक्षता और उचित प्रक्रिया का आहवान किया, जिसे 'बुलडोजर न्याय' के खिलाफ एक कदम के रूप में देखा गया। संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए जाने जाने वाले जस्टिस गवई ने हाल ही में कहा था कि संविधान सर्वोच्च है। जस्टिस संजीव खन्ना ने उनके नाम की सिफारिश की थी और सरकार ने 29 अप्रैल को आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि की।

सीबीएसई परीक्षा परिणाम

देहरादून के स्कूलों का जलवा कायम

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं और 12वीं परीक्षा का रिजल्ट 13 मई को जारी कर दिया। इस वर्ष 10वीं में 93.66 फीसदी स्टूडेंट्स पास हुए हैं जो कि पिछले साल से 0.06 फीसदी अधिक है। 2385079 विद्यार्थियों ने परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। इसमें से 2371939 विद्यार्थी एग्जाम में बैठे। एग्जाम में उपस्थित इन छात्रों में से 2221636 पास हुए हैं। लड़कियां 95 फीसदी पास हुई जबकि लड़के 92.63 फीसदी पास हुए। यानी लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से 2.37 फीसदी अधिक रहा। वहीं सीबीएसई 12वीं परीक्षा में 88.39 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.41 प्रतिशत अधिक है। 10वीं की तरह सीबीएसई 12वीं में भी लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से काफी बेहतर रहा। सीबीएसई 12वीं रिजल्ट में 91 प्रतिशत छात्राएं पास हुई जबकि छात्रों का पास प्रतिशत 85.06 प्रतिशत रहा है। कुल 1,11,544 स्टूडेंट्स ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, जबकि 24,867 स्टूडेंट्स ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। रीजन के लिहाज से देखें तो त्रिवेंद्रम और विजयवाड़ा सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले क्षेत्र बने, जहां का पास प्रतिशत 99.79: रहा। इनके बाद बेंगलुरु, चेन्नई और पुणे जैसे बड़े शहरों में भी 95% से अधिक पास प्रतिशत दर्ज किया गया। दिल्ली के दोनों रीजन ईस्ट और वेस्ट का पास प्रतिशत क्रमशः 95.07% और 95.24% रहा। वहीं गुवाहाटी इस बार सबसे पीछे रहा जहां पास प्रतिशत केवल 84.14% दर्ज किया गया। देहरादून रीजन में भी कई बेटे, बेटियों ने टॉप स्कोरिंग कर प्रदेश का मान बढ़ाया। 12वीं में कृतका मदान और रुद्र ने 10वीं में 99.8% अंक प्राप्त किए, जो राज्य में सर्वोच्च स्कोर में से एक है। उनकी इस उपलब्धि ने उत्तराखंड का नाम पूरे देश में रोशन किया पिछले कुछ सालों में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में हाईएस्ट नंबर लाने वाले छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस साल 10वीं के करीब 2 लाख छात्रों को 90% से अधिक नंबर मिले हैं। वहीं 12वीं में 90% से अधिक नंबर लाने वाले छात्रों की संख्या 1 लाख से अधिक है। वहीं 1.29 लाख से अधिक बच्चों को कंपार्टमेंटल की कैटेगरी में डाला गया है। सीबीएसई कक्षा 12 के परिणामों में जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) 99.29% की प्रभावशाली उत्तीर्ण दर के साथ सूची में शीर्ष पर रहे। केन्द्रीय विद्यालय (केवी) 99.05% के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि केन्द्रीय तिब्बती स्कूलों (एसटीएसएस) ने भी 98.96% उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। अन्य श्रेणियों में, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों की सफलता दर 91.57% रही, तथा सरकारी स्कूलों की सफलता दर 90.48% रही। स्वतंत्र (निजी) स्कूल, हालांकि थोड़ा पीछे रहे, फिर भी उन्होंने 87.94% का सराहनीय उत्तीर्ण प्रतिशत हासिल किया। हर साल की तरह इस बार भी सीबीएसई ने टॉपरों की लिस्ट जारी नहीं की है। कुछ साल पहले सीबीएसई ने अनहेल्दी कंपीटिशन को रोकने के लिए मेरिट लिस्ट जारी करना बंद कर दिया था। बोर्ड सभी विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को ये निर्देश भी देता है कि किसी भी बच्चे को स्कूल या जिले का टॉपर घोषित न करें। बता दें, सीबीएसई 12वीं कक्षा के लिए करीब 17 लाख आवेदन आए थे। इनमें से 15 लाख छात्र सफल हुए हैं। इस हिसाब से भी इस बार का सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट अच्छा माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, सभी एग्जाम वॉरियर्स को मेरी तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं। यह आपकी सच्ची लगन, मेहनत और अनुशासन का नतीजा है। इस खास मौके पर माता-पिता, अध्यापक समेत अन्य लोगों के अहम योगदान को भी नहीं भूलना चाहिए। मैं आशा करता हूं कि सभी एग्जाम वॉरियर्स को जीवन के हर पड़ाव पर ऐसे ही सफलता प्राप्त हो। वहीं बोर्ड की परीक्षा में कम नंबर लाने वाले परीक्षार्थियों को भी पीएम मोदी ने खास संदेश दिया है। पीएम ने एक्स पर लिखा- जिन बच्चों के नंबर कम आए हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि एक परीक्षा आपको परिभाषित नहीं कर सकती है। आपका सफर इससे कहीं ज्यादा बड़ा है। आपकी ताकत मार्कशीट से बहुत आगे है। आत्मविश्वास बनाए रखें, जीवन में कई बड़ी चीजें आपका इंतजार कर रही हैं।

उत्तराखंड में 10वीं का पासिंग परसेंटेज 92.99, जबकि 12वीं का 86.15 रहा

सीबीएसई 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्तराखंड के विद्यार्थियों ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। उत्तराखंड में सीबीएसई परीक्षा में 10वीं का कुल पासिंग परसेंटेज 92.99 रहा, जबकि देहरादून रीजन का 91.60 रहा। सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में रीजन देहरादून 14वें पायदान पर रहा। इसी तरह उत्तराखंड में 12वीं के छात्रों का कुल पासिंग परसेंटेज 86.15 रहा, जबकि देहरादून रीजन का पासिंग परसेंटेज 83.45 रहा। रुद्रपुर की रहने वाली कृतका मदान ने पूरे उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। कृतिका ने सीबीएसई बोर्ड बारहवीं की परीक्षा में 99.4 प्रतिशत अंक लाकर न सिर्फ पूरे प्रदेश में टॉप किया है, बल्कि देश में तीसरा स्थान हासिल किया है। कृतिका की इस उपलब्धि पर न सिर्फ परिवार और स्कूल बल्कि प्रदेश सरकार ने भी सराहा है। वहीं हेमन्या वशिष्ठ (डीपीएस रणिपुर, हरिद्वार) ने 98.8% अंक प्राप्त किए। अनुवंशी गुप्ता (दून इंटरनेशनल स्कूल, देहरादून) ने 98.2% अंक प्राप्त किए। वहीं रुद्र ने 10वीं में 99.8% अंक प्राप्त किए, जो राज्य में सर्वोच्च स्कोर में से एक है। उनकी इस उपलब्धि ने उत्तराखंड का नाम पूरे देश में रोशन किया। देश भर में सीबीएसई के कुल 17 रीजन हैं। इसमें देहरादून रीजन का नंबर 13वें स्थान रहे। जबकि पिछले साल यह 11वें स्थान पर था। देहरादून रीजन में उत्तराखंड के सभी 13 जिलों के अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आठ जिले बदायूं, बिजनौर, ज्योतिबा फूले नगर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, रामपुर, सहारनपुर व संभल शामिल हैं। खास बात ये रही कि देश में दून रीजन टॉप-10 में भी स्थान नहीं बना पाया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 12वीं एवं 10वीं के परीक्षा परिणामों में उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, समर्पण और अटूट संकल्प का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी छात्र-छात्राएं हमारे राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि सभी विद्यार्थी आगे भी इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ अपने जीवन में निरंतर प्रगति करते हुए नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा जिन विद्यार्थियों का परिणाम उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा, वे निराश न हों, यह जीवन का अंतिम पड़ाव नहीं है। यह स्वयं को और बेहतर बनाने, आत्ममंथन करने और नए सिरे से आगे बढ़ने का अवसर है। असफलता भी सफलता की राह का एक महत्वपूर्ण चरण होती है।

सीबीएसई स्कूल रिजल्ट: कक्षा 12वीं

टॉन्स ब्रिज स्कूल

अविरल मेकर, 98.60% कॉमर्स

स्मयान आनंद, 96.8% साइंस

समृद्धि बधानी, 96.8% साइंस

मान्या जायसवाल, 96.8% ह्यूमैनिटी

भूमि नेगी, 95.8% साइंस

रिया भाटिया, 94.2% कॉमर्स

आयुषी थापा, 94.2% ह्यूमैनिटी

वहीनी सेमवाल, 92% ह्यूमैनिटी

दून वैली इंटरनेशनल स्कूल

नेहा, 92.80%

प्रिंस राजपूत, 92%

नयन राणा, 92%

इकॉल ग्लोबल

जैनब अजीम, 96.2%

परी गर्ग, 96%

अहावा क्षेत्री, 94.6%

कसिगा स्कूल

मन्नत गर्ग, 96%

ध्रुव शुरेवाला, 94.3%

चन्द्रहास, 92.8%

पेसल वीड स्कूल

इक्षित कोहली, 97% विज्ञान

लावण्या यादव, 95% विज्ञान

नंदिनी तिनसोला, 95% विज्ञान

निखिल कुमार सिंह, 95.6% कॉमर्स

सान्वी सपरा, 94% कॉमर्स

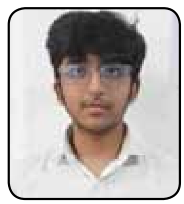
अभिषेक गुप्ता, 92% कॉमर्स

संत कबीर अकेडमी

अनुष्का गुप्ता, 99%

महिमा रावत, 97.6%

अभिनव रावत, 97%

द मोंटेसरी स्कूल

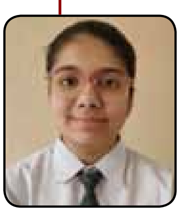
अर्शजोत कौर, 95.25%

प्रज्ञा भाटिया, 95.25%

सक्षम मौर्य, 92.25%

सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल

सोमेश अग्रवाल, 98%

नूर आलम, 97.25%

कृष्णव अग्रवाल, 97.25%

सीबीएसई स्कूल रिजल्ट: कक्षा 12वीं

हिमज्योति स्कूल

रेखा पंवार, 97.2%

अनीषा शर्मा, 96.8%

सृष्टि डंगवाल, 96.8%

वैंटेज हॉल स्कूल

स्तुति कुमारी, 97.5%

अनन्या बंसल, 96%

ध्याना जोशी, 96.25%

के.वी. मसूरी

आस्था नागरकोटी
97.2 %

आन्या नयाल
94.4 %

आंचल रावत
92.6 %

सीबीएसई स्कूल रिजल्ट: कक्षा 10वीं

के.वी. मसूरी

श्वेता असवाल, 85.2%

इकॉल ग्लोबल

शुभी सिंह, 96.8%

तानी चितकारा, 96.6%

सियोना चांदवानी, 95.6%

कसिगा स्कूल

युक्ता मंडल, 96.2%

विराट मोदी, 94.2%

डोली बेगंग, 94%

सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल

दक्ष जैन, 95.6%

अन्विता गर्ग, 94.6%

दिव्यांशी मित्तल, 92.6%

संत कबीर अकेडमी

गुंजन, 98%

गौरव कठैत, 97.6%

श्रेया मलेथा, 97.4%

टॉन्स ब्रिज स्कूल

नेहाल सप्रा, 98.4%

सारा असलम, 98%

सेजल मनोगा, 97.8%

द मोंटेसरी स्कूल

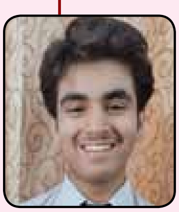
शिवांग सिंह, 94.6%

अनवी गोयल, 92.8%

अभया चौहान, 91%

वैंटेज हॉल स्कूल

मान्या गर्ग, 97.80%

मोली अग्रवाल, 97.40%

एलिस एलांगबाम, 95.8%

भारत के प्रथम गांव माणा में शुरू हुआ पुष्कर कुंभ

देश के प्रथम गांव माणा के केशव प्रयाग में 12 वर्षों बाद पुष्कर कुंभ का आयोजन धूमधाम शुरू, श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी, यहां पर महर्षि वेदव्यास ने तपस्या करते हुए महाभारत की रचना की थी। इस कुंभ में देशभर से हजारों श्रद्धालु आते हैं, विशेष रूप से दक्षिण भारत से वैष्णव समुदाय के लोग शामिल होते हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। पुष्कर कुंभ के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन के साथ पुलिस प्रशासन की ओर से यहां तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जब 12 वर्ष में बृहस्पति ग्रह मिथुन राशि में प्रवेश करता है, तो माणा गांव स्थित अलकनंदा और सरस्वती नदियों के संगम पर स्थित केशव प्रयाग में पुष्कर कुंभ का आयोजन किया जाता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि तीर्थ स्थल न केवल हमारी धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि ये देश की एकता और सांस्कृतिक एकजुटता के भी प्रतीक हैं। विभिन्न स्थानों से आने वाले श्रद्धालु इन स्थलों पर एकत्र होकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करते हैं।

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के बीच चमोली जिले की सीमा पर स्थित माणा गांव के केशव प्रयाग में 12 वर्षों बाद में गुरुवार, 15 मई को पुष्कर कुंभ का आयोजन शुरू हो गया है। जिसे लेकर बदरीनाथ धाम के साथ ही माणा गांव में बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों की आवाजाही बढ़ गई है। इस कुंभ में देशभर से हजारों श्रद्धालु आते हैं, विशेष रूप से दक्षिण भारत से वैष्णव समुदाय के लोग शामिल होते हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। पुष्कर कुंभ के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन के साथ पुलिस प्रशासन की ओर से यहां तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जब 12 वर्ष में बृहस्पति ग्रह मिथुन राशि में प्रवेश करता है, तो

सिखों के पवित्र तीर्थ स्थल हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने की तैयारी शुरू

सिखों के पवित्र तीर्थ स्थल हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने की तैयारी शुरू हो गई है। 7 दिन बाद 25 मई को हेमकुंड साहिब के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इसके साथ लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट भी उसी दिन खुलेंगे। हेमकुंड साहिब समुद्र तल से 15,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हर साल दुनिया भर से हजारों श्रद्धालु इस खूबसूरत और चुनौतीपूर्ण तीर्थयात्रा पर आते हैं। तीर्थयात्रियों का पहला समूह, नगर कीर्तन, 24 मई को हेमकुंड साहिब की अपनी यात्रा शुरू करेगा और 25 मई को पहुंचेगा। रास्ते में भोजन, यात्रा और ठहरने की सुविधाएं उपलब्ध हैं। हेमकुंड साहिब सालाना 5-6 महीने के लिए खुला रहता है, आमतौर पर मई से अक्टूबर तक। यह यात्रा करने का सबसे अच्छा समय है क्योंकि मौसम सुहावना होता है और तापमान अधिकतम 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। हेमकुंड साहिब में सिखों के दसवें गुरु गुरुगोबिंद सिंह ने कई सालों तक तपस्या की थी। जिस जगह पर गुरुजी ने ध्यान लगाया था वहीं ये गुरुद्वारा बना हुआ है। गुरुद्वारे के साथ ही पवित्र सरोवर है जिसे हेम सरोवर कहा जाता है। गुरुद्वारे में माथा टेकने से पहले सिख श्रद्धालु इस पवित्र सरोवर में नहाते हैं। यहां पास में भगवान लक्ष्मण को समर्पित एक मंदिर है। कहा जाता है कि सबसे पहले गुरु गोबिंद सिंह ही इस मंदिर में पूजा करने के लिए यहां आए थे। इस जगह का जिक्र गुरु गोबिंद सिंह जी की आत्मकथा में भी मिलता है। दसवें ग्रंथ के मुताबिक, पांडु राजा इस जगह पर अभ्यास योग करते थे। संत सोहन सिंह, जो सिख धर्म का उपदेश दिया करते थे उन्हें एक बार उपदेश देने के दौरान गुरु गोबिंद सिंह के तपस्या स्थल का ख्याल आया और उनके मन में इस जगह को खोजने की इच्छा जागी। काफी खोजबीन के बाद उन्हें अपने गुरु के पवित्र स्थल के दर्शन हुए। लहराता है खालसा का प्रतीक ध्वज ये जगह गुरु गोबिंद सिंह जी के यहां आने से पहले भी तीर्थ माना गया है। इस जगह को पहले लोकपाल कहा जाता था, जिसका मतलब विश्व का रक्षक होता है। कहा जाता है कि लोकपाल वही जगह है, जहां लक्ष्मण जी अपने मन के मुताबिक जगह होने के कारण ध्यान में बैठ गए थे। हेमकुण्ड साहिब के पास सप्तऋषि चोटियां मौजूद हैं, जिन पर खालसा पंथ का प्रतीक निशान साहिब पर ध्वज लहराता है। जोशीमठ-बद्रीनाथ मुख्य सड़क से करीब 22 किलोमीटर पहाड़ी रास्तों से होकर श्री हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा तक पहुंचा जाता है।

माणा गांव स्थित अलकनंदा और सरस्वती नदियों के संगम पर स्थित केशव प्रयाग में पुष्कर कुंभ का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन में मुख्य रूप से दक्षिण भारत के वैष्णव मतावलम्बी प्रतिभाग करते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माणा गांव के पास स्थित केशव प्रयाग में महर्षि वेदव्यास ने तपस्या करते हुए हिन्दू धर्म के पौराणिक ग्रंथ महाभारत की रचना की थी। यह भी कहा जाता है कि दक्षिण भारत के महान आचार्य रामानुजाचार्य और माध्वाचार्य ने इसी स्थान पर मां सरस्वती से ज्ञान प्राप्त किया था। जिसके चलते अपनी पौराणिक परंपराओं के संरक्षण के लिए बदरीनाथ धाम के समीप स्थित माणा गांव पहुंच कर केशव प्रयाग में स्नान कर पूजा अर्चना करते हैं। डीएम संदीप तिवारी ने बताया कि माणा गांव के केशव प्रयाग में आयोजित पुष्कर कुंभ को लेकर पैदल मार्ग का सुधारीकरण किया गया है। यहां पैदल मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न भाषाओं में साइन बोर्ड लगाए गए हैं। इसके साथ ही कुंभ के सुचारू संचालन के लिए जहां पैदल मार्ग पर पुलिस की तैनाती की गई है, वहीं संगम तट पर एसडीआरएफ के जवानों की तैनाती भी की गई है। उन्होंने बताया कि तहसील प्रशासन को पुष्कर कुंभ के आयोजन को लेकर व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए नियमित मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि तीर्थ स्थल न केवल हमारी धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि ये देश की एकता और सांस्कृतिक एकजुटता के भी प्रतीक हैं। विभिन्न स्थानों से आने वाले श्रद्धालु इन स्थलों पर एकत्र होकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करते हैं। इसी क्रम में माणा गांव में आयोजित पुष्कर कुंभ, उत्तर को दक्षिण से जोड़ रहा है। माणा गांव को 'पहला गांव' इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह भारत-तिब्बत सीमा पर स्थित है। तिब्बत से भारत में आने वाले लोगों के लिए यह पहला गांव है जो दिखाई देता है।

मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना से सिख समुदाय भी हो लाभान्वितः राष्ट्रीय लोकदल

राष्ट्रीय लोकदल के शिष्ट मंडल ने अनुपम खत्री (प्रदेश मुख्य प्रवक्ता) के नेतृत्व में उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उत्तराखंड सरकार मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना के तहत विभागीय अनियमित्ताओं पर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज से शिकायत की गई। सिख समुदाय की शिकायत थी कि जब भी वो यात्रा हेतु आवेदन करने जाते हैं तो पर्यटन विभाग के कर्मचारी उनके आवेदन स्वीकार नहीं करते हैं। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय लोकदल ने पर्यटन मंत्री से मुलाकात कर सभी पहलुओं से अवगत करवाया। मंत्री सतपाल जी त्वरित कार्रवाई करते हुए फ़ोन कर विभागीय अधिकारी सीमा नौटियाल को फोन पर फटकारा और कहा कि यात्रा की सुविधा के काम में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पर्यटन मंत्री ने आए हुए सिख बुजुर्गो को विश्वास दिलाया कि जल्द ही उनके लिए सरकार यात्रा का प्रबंध करवाएगी। शिष्टमण्डल में अनुपम खत्री (प्रदेश मुख्य प्रवक्ता) उदय वीर चहल (प्रदेश महासचिव), कलमप्रीत अरोड़ा (प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ) मंजू जैन (मीडिया प्रभारी) राहुल गहलोत (जिला कार्यकारिणी सदस्य), सुनीता सहानी (महानगर अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ), राहुल कुमार, हरीश भाटिया, सरदार अमरजीत सिंह, सरदार रनजीत, सरदार जसबीर सिंह मौजूद रहे।

चार धाम यात्रा मार्गों पर 25 स्थानों पर ई-चार्जिंग सुविधा हुई शुरू

चार धाम यात्रा मार्गों पर अब इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने में कोई परेशानी नहीं होगी। चार धाम यात्रा मार्गों पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 25 स्थानों पर की ई चार्जिंग की सुविधा दी गई है। उत्तरकाशी, हरिद्वार, ऋषिकेश, मंगलौर, रुड़की, बड़कोट, स्यानाचट्टी, फूलचट्टी, जानकीट्टी, कौडियाला, श्रीनगर, श्रीकोट, गौचर, कर्णप्रयाग, गैरसैंण, कालेश्वर, नंदप्रयाग, पीपलकोटी, औली, पांडुकेश्वर बद्रीनाथ, स्यालसौड़, गुप्तकाशी, सोनप्रयाग, घनसाली आदि में ई चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं। पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन चारधाम यात्रा के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को यात्रा पर आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसलिए इस बार सरकार द्वारा यात्रा मार्गों के अलग-अलग स्थानों पर ई-चार्जिंग की व्यवस्था की गई है। इससे यात्रा में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। दरअसल, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस बार चारधाम यात्रा को ग्रीन यात्रा की थीम पर आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में परिवहन विभाग और टीएचडीसी के सहयोग से चारधाम यात्रा मार्ग पर 38 ई व्हीकल चार्जिंग स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। इसमें से यात्रा शुरू होने तक 25 स्टेशन शुरू किए जा चुके हैं, जहां यात्री आसानी से अपने ई व्हीकल को चार्ज करवा रहे हैं। इनमें से ज्यादातर चार्जिंग स्टेशन जीएमवीएन की प्रापर्टी में स्थापित किए गए हैं।

तेजस्विनी चैरिटेबल ट्रस्ट का 'शक्ति का उत्सव'

देहरादून, 18 मई 2025: तेजस्विनी चैरिटेबल ट्रस्ट अपनी तीसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'शक्ति का उत्सव' नामक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है। इस कार्यक्रम की शुरुआत पवेलियन ग्राउंड से 'झांसी ऑन व्हील्स' महिला बाइक रैली से होगी, जो सेंट्रियो मॉल में समापन करेगी। कार्यक्रम में शहर सहित आसपास के क्षेत्रों की सैकड़ों महिला बाइक सवारों के शामिल होने की उम्मीद है। तेजस्विनी चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना कोविड-19 महामारी के दौरान महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से की गई थी। तब से यह ट्रस्ट महिलाओं को स्वावलंबी बनाने तथा उन्हें शिक्षा, कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने में जुटा हुआ है। विभिन्न परियोजनाओं एवं पहलों के माध्यम से यह ट्रस्ट महिलाओं को सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती गीता धामी (मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की पत्नी) रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगी। रैली का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना है। रैली के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, फिर भी उनकी सुरक्षा एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बनी हुई है। साथ ही रैली के जरिए समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान को बढ़ावा देने की भी अपील की जाएगी। रैली के समापन पर सेंट्रियो मॉल में एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय कलाकार नृत्य, संगीत और अन्य कला प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों का मनोरंजन करेंगे। कार्यक्रम में शामिल सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ महिलाओं की ताकत और विविधता का उत्सव मनाएंगी। तेजस्विनी चैरिटेबल ट्रस्ट का मानना है कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा के संदेश को व्यापक स्तर पर फैलाने में सहायक होंगे। इस कार्यक्रम में हमारे सहयोगी एमटीआर साउथ इंडियन फूड कैच मसाले वाघ बकरी चाय यू वी प्रोडक्शन बद्री केदार प्रॉपर्टीज रहने वाले हैं।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजकों में शामिल हैं: प्रिया गुलाटी (संस्थापक एवं अध्यक्ष, तेजस्विनी चैरिटेबल ट्रस्ट), डॉ. मुकुल शर्मा (अध्यक्ष, सांख्य योग फाउंडेशन), डॉ. प्रिया कौशिक पांडे, अर्चना यादव कपूर (संस्थापक, वेदांता आईएएस अकादमी), अंशिका खुराना

हरिद्वार एवं उसका धार्मिक महत्त्व भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में रह रहे लोगों की आस्था से जुड़ा है: मुख्य सचिव

मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्धन ने बुधवार को सचिवालय में हरिद्वार कॉरिडोर, ऋषिकेश मास्टर प्लान और शारदा कॉरिडोर के सम्बन्ध में बैठक ली। बैठक के दौरान उत्तराखंड निवेश एवं अवसंरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) ने उक्त विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि हरिद्वार कॉरिडोर के अंतर्गत सभी प्रोजेक्ट्स की प्राथमिकता निर्धारित की जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्रोजेक्ट्स को शीघ्र धरातल पर उतारने की आवश्यकता है, उनको प्राथमिकता पर लेते हुए कार्य प्रारम्भ किए जाएं।

मुख्य सचिव ने कहा कि हरिद्वार एवं उसका धार्मिक महत्त्व भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में रह रहे लोगों की आस्था से जुड़ा है हरिद्वार कॉरिडोर के विकास कार्यों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि आस्था से जुड़े क्षेत्रों एवं उनके मूल स्वरूप से किसी प्रकार की छेड़छाड़ ना हो। उन्होंने योजनाओं से जुड़े हितधारकों से लगातार संवाद किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरिद्वार कॉरिडोर के अंतर्गत सभी प्रोजेक्ट पर बजट, कार्यदायी संस्था, उसका रखरखाव सहित समग्र प्लान शीघ्र प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने यूआईआईडीबी को प्रत्येक प्रोजेक्ट की प्रकृति को देखते हुए, उनसे सम्बन्धित विभागों को योजना में शामिल किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने हरिद्वार कॉरिडोर के प्रोजेक्ट्स पर चर्चा के दौरान ब्रह्मकुंड और महिला घाट के क्षेत्र को बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सती कुंड के पुनर्विकास कार्य में सती कुंड के ऐतिहासिक महत्त्व और उसकी थीम को बनाए रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में मल्टीलेवल पार्किंग बनाने के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि नदी दर्शन में अवरोध न उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों की डीपीआर तैयार हो गयी है, उन पर आगे की कार्यवाही शीघ्र शुरू की जाए।

मुख्य सचिव ने शारदा नदी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट के कार्यों की भी प्राथमिकता निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों की प्रकृति के अनुसार सम्बन्धित विभाग द्वारा ही कार्यों को संपन्न कराया जाए। उन्होंने वन भूमि में ईको टूरिज्म गतिविधियों को शामिल किए जाने की भी बात कही। उन्होंने यूआईआईडीबी को जिलाधिकारी चंपावत की प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट्स को भी शारदा कॉरिडोर में शामिल किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना में टूरिज्म सर्किट के विकास के साथ ही कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए हेलीपैड और हेलीपोर्ट के प्रावधान रखे जाएं।

मुख्य सचिव ने ऋषिकेश मास्टर प्लान पर चर्चा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऋषिकेश का मोबिलिटी प्लान और पुराना रेलवे स्टेशन के आसपास प्रस्तावित कार्यों को समग्र रूप से तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि चंद्रभागा नदी के पुनर्जीवीकरण के लिए हाईड्रोलॉजी सर्वे कराया जाए।

मुख्य सचिव ने सभी प्रोजेक्ट्स की प्राथमिकता निर्धारित करते हुए नितांत आवश्यक कार्यों को तत्काल शुरू कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरिद्वार कॉरिडोर, शारदा रिवरफ्ट डेवेलपमेंट और ऋषिकेश मास्टर प्लान कार्यों के महत्त्व को देखते हुए शीघ्रातिशीघ्र कार्यवाही शुरू की जाए।

उत्तराखंड में सेमिनार आयोजनों पर प्रतिबंध शासनादेश जारी, प्रदेश के विश्वविद्यालयों में पनपा सरकार के खिलाफ आक्रोश

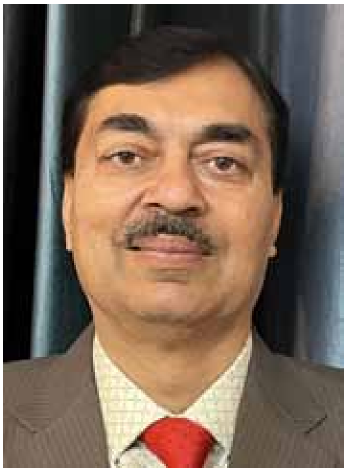

प्रादेशिक सहायता प्राप्त महाविद्यालय एसोसिएशन (पाका), उत्तराखंड शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 06 मई 2025 को जारी शासनादेश, जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सेमिनार आयोजन हेतु पूर्व अनुमति एवं विषय-विशेष प्रतिबंधों को अनिवार्य किया गया है, का विरोध करता है।

इस शासनादेश में निर्देशित किया गया है कि:

1. सेमिनारों का आयोजन केवल शासन की पूर्व अनुमति से ही किया जाएगा।
2. प्रतिभागिता केवल संबंधित विषय के प्राध्यापकों तक सीमित होगी; अन्य विषयों के प्राध्यापकों की भागीदारी को अमान्य माना जाएगा।
3. ऐसे प्रतिभागियों को कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के लिए प्रमाणपत्र मान्य नहीं होंगे।

इस आदेश पर पाका अध्यक्ष प्रो. एच. एस. रंधावा एवं महासचिव प्रो. प्रशान्त सिंह ने आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि यह आदेश न केवल विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अंतरविषयी एवं बहुविषयी शोध की संस्कृति को बाधित करेगा, बल्कि अकादमिक स्वायत्तता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।

उन्होंने निम्न बिंदुओं पर अपना विरोध दर्ज किया:

1. शोध की प्रकृति बहुविषयी होती है। वर्तमान समय में शोध समस्याएं एकल विषय तक सीमित नहीं हैं। उदाहरणस्वरूप, पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान में रसायन, जीवविज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र एवं तकनीकी जैसे विषयों का समन्वय आवश्यक होता है। ऐसे में यदि सेमिनारों में विषय-संबंधी प्रतिबंध लगाए जाएँ, तो नवाचार एवं सहयोगात्मक शोध बाधित होगा।
2. शासन की अनुमति की अनिवार्यता अकादमिक स्वतंत्रता को सीमित करती है। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को शैक्षिक स्वायत्तता प्राप्त है। ऐसे में प्रत्येक सेमिनार के लिए शासन की अनुमति की अनिवार्यता शिक्षकों की रचनात्मक पहलशक्ति एवं स्वतंत्र सोच पर अंकुश लगाएगी।
3. विषयगत भिन्नता वाले शिक्षकों की भागीदारी पर रोक साझा ज्ञान और नेटवर्किंग को प्रभावित करेगी। सेमिनारों का उद्देश्य केवल ज्ञानवर्धन नहीं, बल्कि विषयों के मध्य संवाद एवं सहयोग को भी बढ़ावा देना होता है। यह प्रतिबंध इस उद्देश्य में बाधक है।
4. कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के लिए मान्यता न देना शिक्षकों के मनोबल को प्रभावित करेगा। यदि विभिन्न विषयों के प्राध्यापकों की सहभागिता को मान्यता नहीं दी जाएगी, तो वे अकादमिक आयोजनों में भाग लेने से वंचित रहेंगे, जिससे उनके व्यावसायिक विकास एवं शोध-शिक्षण की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

पाका का मानना है कि यह आदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की बहुविषयीता एवं नवाचार को बढ़ावा देने की भावना के प्रतिकूल है। अध्यक्ष एवं महासचिव ने आग्रह किया है कि शासन इस आदेश की पुनर्समीक्षा करे तथा अंतरविषयी संवाद को प्रोत्साहन देने वाले वातावरण को सशक्त बनाए, जिससे राज्य में उत्कृष्ट अकादमिक एवं शोधपरक विकास सुनिश्चित हो सके।

उत्तराखंड पुलिस का 'ऑपरेशन प्रहार' सीएम धामी के नेतृत्व में साइबर अपराधियों पर करारा वार

साइबर सुरक्षा में उत्तराखंड बना देश का मॉडल, 17 राज्यों में एक साथ कार्रवाई

उत्तराखंड की शांत वादियों से एक तेज़ संदेश पूरे देश में गूंजा है, 'अपराधी चाहे देश के किसी कोने में छिपा हो, उत्तराखंड पुलिस उसे ढूंढ निकालेगी।' मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड पुलिस ने एक ऐतिहासिक अभियान चलाकर यह सन्देश न केवल प्रदेश, बल्कि पूरे राष्ट्र को दिया है। 'ऑपरेशन प्रहार', साइबर अपराधियों पर करारा प्रहार करने वाला यह अभियान अपने आप में एक मिसाल बन गया है। देश के इतिहास में पहली बार उत्तराखंड पुलिस के निर्देशन में एक साथ 17 राज्यों दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, केरल, गोवा आदि में बड़ी छापेमारी की गई। इस सघन और रणनीतिक कार्रवाई में 290 से अधिक साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

यह कोई सामान्य पुलिसिया कार्रवाई नहीं थी। यह उस दूरदर्शिता और साहसिक निर्णय का परिणाम है, जिसकी नींव मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साइबर हमले की एक बड़ी घटना के बाद रखी थी। कुछ माह पूर्व उत्तराखंड साइबर हमलों का शिकार बना था, तब मुख्यमंत्री धामी ने स्पष्ट संदेश दिया था साइबर अपराधी अब सुरक्षित नहीं रहेंगे। उन्होंने पुलिस महकमे को टेक्नोलॉजिकल रूप से सशक्त करने के आदेश दिए, साइबर थानों की पुनर्रचना की और इंटेलिजेंस नेटवर्क को विस्तार दिया।

इसका प्रत्यक्ष परिणाम 'ऑपरेशन प्रहार' के रूप में सामने आया, जिसमें न केवल उत्तराखंड बल्कि अन्य राज्यों की पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से यह दिखाया गया कि उत्तराखंड अब केवल पर्यटन और तीर्थाटन का केन्द्र ही नहीं, बल्कि साइबर क्राइम से लड़ने में भी एक मॉडल स्टेट बन चुका है। मुख्यमंत्री धामी का गुड गवर्नेंस मॉडल सिर्फ योजनाओं या घोषणाओं तक सीमित नहीं है, यह उनके हर एक्शन में भी साफ नजर आता है। उनके नेतृत्व में शासन की सक्रियता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी तीनों ही स्तरों पर परिलक्षित होती है। इस सफल कार्रवाई ने जहां उत्तराखंड पुलिस की कार्यकुशलता को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है, वहीं मुख्यमंत्री धामी के मजबूत नेतृत्व और त्वरित निर्णय क्षमता को भी फिर से प्रमाणित किया है।

विज्ञान एवं तकनीक को जन-जन तक पहुंचाने का यूकॉस्ट के प्रयास सराहनीय हैं: राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से गुरुवार को राजभवन में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), तकनीकी नवाचारों और वैज्ञानिक अनुसंधान के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि इन तकनीकों को दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों तक पहुंचाने की आवश्यकता है, ताकि वहां के युवा, छात्र, महिलाएं, किसान और उद्यमी भी तकनीकी विकास का लाभ उठा सकें।

राज्यपाल ने यूकॉस्ट की नवाचारी पहलों की सराहना करते हुए कहा कि विज्ञान एवं तकनीक को जन-जन तक पहुंचाने के ऐसे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान व नवाचार के क्षेत्र में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए राज्य के विकास को नई दिशा दी जा सकती है।

प्रो. पंत ने अवगत कराया कि यूकॉस्ट द्वारा राज्य के सभी जनपदों में विज्ञान नवाचार केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर तकनीकी सशक्तीकरण को बल मिल रहा है। उन्होंने बताया कि चंपावत जनपद के भिंगराड़ा क्षेत्र में पिरूल से ब्रिकेट्स निर्माण की इकाई स्थापित की गई है, जिसके माध्यम से स्थानीय महिलाएं उद्यमिता से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। उन्होंने नवंबर में प्रस्तावित विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन के बारे में भी राज्यपाल को जानकारी दी।

गर्मी में बोतल बंद पानी की गुणवत्ता पर सतर्क हुआ एफडीए, जारी किए सख्त निगरानी के आदेश

बोतल बंद पानी और ठंडे पेय पदार्थों की गुणवत्ता व भंडारण में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई- डॉ. आर. राजेश कुमार

गर्मियों के संवेदनशील मौसम में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से नहीं किया जाएगा कोई समझौता: डॉ. आर. राजेश कुमार

गर्मियों में तापमान में तेज़ी से वृद्धि और पर्यटन सीजन की शुरुआत को देखते हुए उत्तराखंड खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। राज्य भर में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर और ठंडे पेय पदार्थों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने और उनके उचित भंडारण के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

बिना अनुमति खुले में बिक रहा ठंडा पानी हो सकता है खतरनाक- ताजबर जग्गी

अपर आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि स्वास्थ्य सचिव व आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार के निर्देश पर यह आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा, 'गर्मी के मौसम में बाजार में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर और अन्य ठंडे पेय पदार्थों की मांग में भारी वृद्धि होती है। लेकिन देखा गया है कि कई स्थानों पर इनका भंडारण खुले में और अनियमित तरीकों से किया जा रहा है, जिससे इनकी गुणवत्ता पर असर पड़ता है। इससे न केवल उत्पाद की शुद्धता प्रभावित होती है, बल्कि जनस्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। विभाग को इस संबंध में लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं।'

डॉ. आर. राजेश कुमार, सचिव स्वास्थ्य एवं आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने कहा, 'राज्य सरकार नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गर्मियों के इस संवेदनशील मौसम में खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमित रूप से निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि बाजार में बिकने वाला पैकेज्ड पानी व शीतल पेय मानकों के अनुरूप हों। यदि कोई भी विक्रेता या आपूर्तिकर्ता नियमों की अवहेलना करता पाया गया तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।'

उन्होंने यह भी कहा कि उपभोक्ताओं से अपेक्षा है कि वे केवल प्रमाणित और लाइसेंसी उत्पादों का ही उपयोग करें और किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना विभाग को दें।

विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं की सेहत सर्वोपरि है और गर्मियों के इस संवेदनशील मौसम में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

राज्यपाल ने "उत्कर्ष 1.0" हैकाथॉन में प्रतिभाग किया
एआई एवं रोबोटिक्स लैब का किया उद्घाटन

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बुधवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित हैकाथॉन ''उत्कर्ष 1.0'' में प्रतिभाग किया। इस हैकाथॉन में प्रदेश के 08 विश्वविद्यालयों सहित कुल 25 संस्थानों की 216 टीमों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उन्होंने हैकाथॉन में भाग ले रहे विद्यार्थियों के नवाचार प्रोजेक्ट्स का अवलोकन किया और उनसे संवाद कर उनके विचारों को सराहा। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में एआई आर एंड डी हब, रोबोटिक्स लैब, तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) लैब का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर चैटबॉट कैटेगरी में जे.बी. आई.टी. कॉलेज देहरादून की टीम को प्रथम पुरस्कार, जीबीपीआईईटी पौड़ी की टीम को द्वितीय पुरस्कार और शिवालिक इजीनियरिंग कॉलेज देहरादून की टीम को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। डैशबोर्ड विकसित किये जाने की श्रेणी में विश्वविद्यालय के आई.टी. गोपेश्वर की टीम को प्रथम पुरस्कार, तुलाज इंस्टीट्यूट देहरादून की टीम को द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसी क्रम में मोबाइल ऐप विकासित करने की श्रेणी में विश्वविद्यालय की फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी को प्रथम पुरस्कार, रुड़की कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, रुड़की को द्वितीय पुरस्कार एवं बी.आई.ए.एस. भीमताल को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान में डिजिटल हस्तक्षेप अब शासन-प्रशासन, शिक्षा, वित्त प्रबंधन और छात्र सेवाओं के हर पहलू में आवश्यक हो गया है। आज ज्ञान साझा करने, अपडेट करने और छात्र-छात्राओं की समझ को संवर्धित करने में, इंटरनेट, स्मार्टफोन, लैपटॉप आदि की अधिक पहुँच का सकारात्मक उपयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम ऐसे युग में जी रहे हैं जिसे चौथी औद्योगिक क्रांति कहा जा रहा है। इस क्रांति की आधारशिला एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और रोबोटिक्स जैसे नवाचारों पर टिकी है। ये न केवल हमारे दैनिक जीवन को बदल रहे हैं, बल्कि भारत को विश्व पटल पर एक वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि एआई अब स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर कृषि, शिक्षा और रक्षा तक, सभी क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है। भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया इंडिया एआई मिशन देश में एआई स्टार्टअप्स को बढ़ावा दे रहा है। उत्तराखण्ड जैसे राज्य में एआई का उपयोग आपदा प्रबंधन, पर्वतीय कृषि और स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। राज्यपाल ने उपस्थित विद्यार्थियों से कहा कि यह अत्यंत आवश्यक है कि आप इन तकनीकों के सिर्फ उपभोक्ता न बनें, बल्कि इनके निर्माता और नवाचारकर्ता बनें। भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आपका योगदान निर्णायक होगा। भारत की युवा शक्ति आज जिस ऊर्जा और उत्साह से नवाचार कर रही है, वह पूरे विश्व को चौंका रही है। स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने भारत को एक वैश्विक टेक्नोलॉजी पावर हाउस बनने की राह पर अग्रसर कर दिया है। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय प्रशासन को अभिनव प्रयोगों को बढ़ावा देने हेतु बधाई दी और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि ओपन सोर्स व ओपन ए.आई. से आप देश की सहायता के लिए ''डीप शिवा'' नाम से एक चैटबॉट जो ''डीप सीक'' से 108 गुना बेहतर हो बनाने की चुनौती तकनीकी विश्वविद्यालय को दी गई। इस कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में 5 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 3 लाख और तृतीय पुरस्कार 2 लाख रुपये की धनराशि राज्यपाल द्वारा दी जायेगी। उन्होंने ''डीप शिवा'' नाम से एक चैटबॉट बनाने का लक्ष्य हैकाथॉन कार्यक्रम के अंतर्गत 31 दिसंबर, 2025 तक विश्वविद्यालय के छात्रों के सामने रखा गया है इसके लिए राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के कुलपति को इस प्रतियोगिता के आयोजन के लिए आवश्यक मापदण्डों के तहत करने को कहा।

इस अवसर पर उपस्थित तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने कहा कि यह आयोजन तकनीकी के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने इस आयोजन के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो. पी.बी. शर्मा, सनफ्लॉक्स टेक्नोलॉजी के निदेशक रजत जैन, कुलसचिव सतेन्द्र सिंह सहित विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

S N MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BHAUWALA, DEHRADUN
THE MANAGEMENT, PRINCIPAL AND STAFF EXTEND HEARTIEST CONGRATULATIONS TO ALL STUDENTS AND PARENTS FOR THE OUTSTANDING PERFORMANCE IN CBSE BOARD RESULT SESSION 2024-2025
OUR ACHIEVERS
CLASS X
SARTHAK DHASMANA
PRATIBHA YADAV 92 %
SAMRIDHI NEGI
VAIBHAV NEGI
PRIYANSHU GAUR 87%
PRAKRITI THAPA 87%
AKSHITA
AYUSH BHATT
AYUSHI GAUR
MAYANK
S N MEMORIALPUBLIC SCHOOL BHAUWALA 248007
9927005527 , 7055504876

S N MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BHAUWALA, DEHRADUN
THE MANAGEMENT, PRINCIPAL AND STAFF EXTEND HEARTIEST CONGRATULATIONS TO ALL STUDENTS AND PARENTS FOR THE OUTSTANDING PERFORMANCE IN CBSE BOARD RESULT SESSION 2024-2025
OUR ACHIEVERS
CLASS XII
AISHA RANA
HARSHITA JOSHI 94%
RIYA 94%
NEHA RAWAT
ANJANA
NANCY PANDEY 91.4 %
NIDHI RAWAT 91.2%
ABHINAV
NEHA NEGI 87 %
ISHA BHANDARI
SHIVAM KUMAR
SUJAL ARYA
S N MEMORIALPUBLIC SCHOOL BHAUWALA 248007
9927005527 , 7055504876

MAA ANANDMAYEE MEMORIAL SCHOOL
Congratulations
For The Grade XII CBSE Board Result
Session 2025-26
91.4% Tejas Bhatnagar
89% Jyotsana Rayal
86% Arti Rana
88% Ansh Badoni
+91 8265847144
www.mams.co.in
Village Gohri Mafi, Raiwala, Haridwar, Rishikesh Road, Uttarakhand - 249205

MAA ANANDMAYEE MEMORIAL SCHOOL
Congratulations
For The Grade X CBSE Board Result
Session 2025-26
95.2% Harsh Pandey
90% Khushi Pundir
90% Sachin Negi
87% Kamal Kishore
87% Om Saroj
+91 8265847144
www.mams.co.in
Village Gohri Mafi, Raiwala, Haridwar, Rishikesh Road, Uttarakhand - 249205

R.N.I.: UTTHIN/2010/41629 | Postal Regd. UA/DO/DDN/01/2025-2027